राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर वीरांगनाओं का सम्मान

सैनिकों और नेताओं ने साझा किए संस्मरण

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब में मंगलवार को शौर्य मरुधर फाउण्डेशन द्वारा स्वर्गीय राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि को प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय सेना और वायुसेना के सेवानिवृत्त अधिकारियों, राजनीतिक हस्तियों और समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में शहीदों की वीरांगनाओं का सम्मान किया गया तथा एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में शहीदों की वीरांगनाओं का सम्मान किया गया तथा एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया।

इस अवसर पर यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और संगरिया विधायक अभिमन्यु पूनिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वर्गीय राजेश पायलट गरीब, जवान और किसानों के हितों के लिए साहसिक निर्णय लेने वाले नेता थे। उन्होंने युवाओं को राजनीति सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ाया, और आज यही काम उनके पुत्र सचिन पायलट कर रहे हैं। पूनिया ने कहा कि राजेश पायलट का सैनिक जीवन और राजनीतिक यात्रा दोनों ही समाज के लिए प्रेरणादायक हैं।

सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर बी.एस. निर्बाण ने अपने संबोधन में कहा कि पायलट साहब एक सैनिक के रूप में आदर्श थे और एक राजनेता के रूप में भी उन्होंने अनुकरणीय जीवन जिया।

उन्होंने कहा कि शहीदों और वीरांगनाओं के देश में राजेश पायलट जैसे नेता गर्व का विषय हैं। निर्बाण ने यह भी कहा कि शहीद परिवारों को सुविधाओं और अधिकारों के लिए भटकना पड़ता है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने राजस्थान में वीरांगनाओं, वीर सैनिकों और उनके परिवारों के हितों की रक्षा हेतु एक सशक्त कानून की आवश्यकता पर बल दिया।

कर्नल देवानंद लोहमरोड़ ने वीरांगनाओं के सम्मान को एक अत्यंत गरिमामयी पहल बताया और इसके लिए शौर्य मरुधरा फाउंडेशन का आभार जताया।

शौर्य मरुधरा फाउंडेशन के अध्यक्ष महेन्द्रसिंह खेड़ी ने कहा कि राजेश पायलट वह नेता थे जिन्होंने देश में टेलीफोन क्रांति लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने युवाओं को आगे लाने की एक नई शुरुआत की, जिसे आज सचिन पायलट आगे बढ़ा रहे हैं। पायलट का मानना था कि जब तक गरीब, किसान और सैनिकों के बच्चे नीति निर्धारण की कुर्सियों तक नहीं पहुंचेंगे, तब तक देश का सपना अधूरा रहेगा।

पूर्व विधायक गजराज खटाना, जो राजेश पायलट के सहयोगी रहे, ने अपने संस्मरण साझा करते हुए कहा कि पायलट की छवि सरकार और सिस्टम में साहसी, जबकि आम जनता में सहज और सौम्य थी।

उन्होंने एक घटना का ज़िक्र करते हुए बताया कि एक जनसुनवाई में आए व्यक्ति की बात सुनने के बाद ही पायलट ने चंद्रास्वामी की गिरफ्तारी के आदेश दिए थे, जो उनके न्यायप्रिय और निर्णयात्मक व्यक्तित्व को दर्शाता है।

विधायक प्रशांत शर्मा (आमेर) ने कहा कि किस प्रकार स्वर्गीय राजेश पायलट ने उनके पिता सहदेव शर्मा को राजनीतिक संरक्षण दिया।

सीमा शुल्क चोरी को लेकर कंपनी पर जुर्माना, एमडी को तीन साल की सजा

जयपुर। आर्थिक अपराध मामलों की एसीजेएम अदालत, महानगर, द्वितीय ने करीब 62 लाख रुपए के सीमा शुल्क चोरी के मामले में मैसर्स स्तुति इलेक्ट्रॉनिक्स, भिवाडी पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

इसके साथ ही अदालत ने कंपनी के एमडी अनिल सक्सैना को तीन साल की सजा सुनाई है। अदालत ने एमडी पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी राजेश कुमार मीना ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त पर आर्थिक अपराध का आरोप है, जो कि सीधे तौर पर देश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

■ पीठासीन अधिकारी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त पर आर्थिक अपराध का आरोप है, जो कि सीधे तौर पर देश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ है

अभियोजन पक्ष की ओर से कहा गया कि केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क आयुक्तालय ने अभियुक्तों के खिलाफ अभियोजन पत्र पेश किया था। अभियोजन पत्र में कहा गया कि विभाग की ओर से 17 और 18 मई, 1999 को अभियुक्त की भिवाड़ी स्थित फैक्ट्री का औचक निरीक्षण किया गया था। जिसमें स्टॉक कैपिटल, गुड्स और स्पेयर कम पाए गए। इस कमी के बारे में संचालक संतोषजनक जवाब भी नहीं दे पाए। इस प्रकार अभियुक्तों ने फैक्ट्री परिसर से बिना ड्यूटी चुकाए ही माल को बाहर भेजा। अभियुक्त फर्म की ओर से पूर्व में कभी स्पेयर पार्ट्स व कैपिटल गुड्स की निकासी के लिए आवेदन किया गया और ना ही विभाग से इसकी अनुमति ली गई। ऐसे में अभियुक्तों ने 62 लाख रुपए से अधिक के सीमा शुल्क की चोरी की। ऐसे में अभियुक्त पर समान राशि का जुर्माना लगाया गया और एमडी अनिल सक्सैना पर दस लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

युवक का मोबाइल चोरी कर खाते से 53 हजार रुपए निकाले

जयपुर। मुहाना थाना इलाके में किसी ने एक युवक का मोबाइल पार कर लिया और फिर उसके खाते से 53 हजार रुपए निकाल लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर

■ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है

जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार गणेश कॉलोनी रामपुरा रोड निवासी अजीत कुमार बैरवा ने मामला दर्ज करवाया कि किसी ने उसका मोबाइल चोरी कर लिया और फिर उसके खाते से ऑनलाइन 53 हजार रुपए निकाल लिए। ठगी का पता पीड़ित को दूसरा मोबाइल खरीद कर सिम चालू करने पर लगा। इस पर पीडित थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिसकर्मी बनकर ले गया युवक से स्कूटी

जयपुर। वैशाली नगर थाना इलाके में पुलिसकर्मी बनकर मदद के बहाने बदमाश एक व्यक्ति से स्कूटी लेकर चलता बना। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस मामले में घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस के अनुसार वैशाली नगर निवासी धर्मेंद्र कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि वह बाजार से आर्मी क्वार्टर जा रहा था।

वैशाली नगर में वह एक ठेके पर आम लेने रुका। वहां पर एक युवक पुलिस की वर्दी में आया और उसने किसी काम के लिए स्कूटी मांगी। इस पर पीड़ित ने पुलिस का काम जरूरी मानकर उसे स्कूटी दे दी। वह काफी देर तक ठेले के पास ही आरोपी का इंतजार करता रहा। लेकिन बदमाश नहीं लौटा। इस पर पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। इस पर पीडित ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। बदमाश ने टू स्टार वाली वर्दी पहनी हुई थी।

नेशनल प्लेयर से जुड़े मामले में पॉक्सो कोर्ट ने जांच अधिकारी को नसीहत दी

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने नाबालिग नेशनल प्लेयर को अभद्र इशारे करने से जुडे मामले में जांच अधिकारी और ज्योति नगर थानाधिकारी को नसीहत दी है। वहीं अदालत ने कुछ बिंदुओं पर जांच नहीं करने पर अनुसंधान अधिकारी को चेतावनी दी है।

पीठासीन अधिकारी तिरुपति कुमार गुप्ता ने कहा कि अनुसंधान अधिकारी की ओर से जांच में लापरवाही का मामला पहली बार अदालत के समक्ष आया है। ऐसे में चेतावनी दी जाती है कि यदि भविष्य में उनकी कार्यशैली में सुधार नहीं आया तो यह माना जाएगा कि वे जानबूझकर पीड़ित पक्ष को नुकसान पहुंचाने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

अदालत ने कहा कि अनुसंधान अधिकारी को याद रखना चाहिए कि ऐसा करना भारतीय न्याय संहिता की धारा 198 व धारा 199 के तहत आता है। अदालत ने जांच अधिकारी को कहा कि वे दिए गए निर्देशों की पालना करेंगे, ताकि अदालत को यह मानना पडे कि मामले में की गई लापरवाही सद्भाविक चूक है न की जानबूझकर की गई चूक। वहीं अदालत ने प्रकरण के आरोपी बहादुर को 19 जून तक जेल भेज दिया है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि पीड़ित और फरियादी दोनों की आरोपी को नहीं जानते थे तो उसे बापर्दा गिरफ्तार कर जेल में पहचान परेड कराई जाती। जिस व्यक्ति ने पीडिता के पिता को आरोपी का नाम बताया, उसके बयान दर्ज किए जाते।

इसके अलावा घटना से जुडे सीसीटीवी फुटेज, डीवीआर जब्त करने सहित आरोपी के कंट्रोल फोटो लेने के लिए भी कार्रवाई नहीं की गई। यहां तक की एफआईआर के अनुसार जिन पुलिसकर्मियों ने घटना देखी, उनके बयान भी दर्ज नहीं किए गए। अदालत ने कहा कि सुपरविजन अधिकारी सहायक पुलिस आयुक्त ने भी आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार नहीं करने के तथ्य पर विचार नहीं किया।

वहीं उनके सुपरवाइजरी नोट में एक दुकान मालिक के बयान लेने के निर्देश पर ही जांच अधिकारी ने विचार नहीं किया। गौरतलब है कि गत 3 जून को पीडिता के पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी बेटी एक दिन पहले खेलने के लिए अकादमी जा रही थी।

रास्ते में एक दुकान पर मौजूद आरोपी ने उससे अभद्रता व्यवहार और इशारे किए। पूर्व में भी कई बार आरोपी ने उसकी बेटी को प्रताड़ित किया है। जिससे बेटी के मन में भय व्याप्त हो गया है। ऐसे में भविष्य में बडी घटना ना हो, इसका ध्यान रखा जाए। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया था।

लिफ्ट मांगने के बहाने व्यक्ति को लूटा

जयपुर। सांगानेर थाना इलाके में लिफ्ट के बहाने बदमाश एक व्यक्ति से स्कूटी व मोबाइल छीनकर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है।पुलिस के अनुसार रघुनाथपुरी श्योपुर रोड निवासी वैभव शर्मा ने मामला दर्ज करवाया कि उसके पिता रात को बाजार से घर लौट रहे थे। तारों की कूट के पास एक युवक ने रुकने के लिए इशारा किया। इस पर उसके पिता विष्णु शर्मा रुक गए। इसके बाद बदमाश ने डरा धमका कर उसके पिता से स्कूटी और मोबाइल छीनकर भाग निकला।

सहायक अभियंता और सहायक प्रशासनिक अधिकारी तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की झुंझुनूं टीम ने मंगलवार को कार्यालय सहायक अभियंता एवीवीएनएल ओएंडएम चिड़ावा जिला झुंझुनू के सहायक अभियंता और सहायक प्रशासनिक अधिकारी को तीस हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी परिवादी से उसकी फाइलों को अप्रूव करने की एवज में चालीस हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे थे। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी झुंझुनूं को परिवादी ने शिकायत दी कि वह प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत कार्य करता है। एवीवीएनएल सहायक अभियंता आजाद सिंह एवं ओएंडएम चिड़ावा झुंझुनूं के सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह की ओर से परिवादी की फाइलों को अप्रूव करने की एवज में चालीस हजार रुपए रिश्वत मांग की जा रही है। इस दौरान रिश्वत मांग सत्यापन दोनों आरोपितों द्वारा परिवादी की फाइलों को अप्रूव करने के लिए तीस हजार रुपए रिश्वत की मांग करना पाया गया। कार्यवाही के दौरान सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेन्द्र सिंह से रिश्वत के तीस हजार रुपए की बरामदगी की गई। एसीबी झुंझुनूं के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इस्माइल खान के नेतृत्व में मंगलवार को ट्रैप की कार्यवाही करते हुए सहायक अभियंता आजाद सिंह एवं सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेन्द्र सिंह को तीस हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

काश्तकारों ने एक जमीन को दो-दो बार बेचा

जयपुर। सांगानेर एयरपोर्ट पर श्री जगदीश धाम योजना में कई साल पहले खरीदे भूखण्डों पर कब्जा लेने के लिए भूखण्डधारियों को दर -दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं। इस स्कीम में पीडितों ने मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक , जिला कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर, डीसीपी जयपुर पूर्व को पत्र लिखकर भूखण्डों पर कब्जा दिलाने और नाजायज कब्जा करने वालो के विरूद्ध कार्रवाई कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

पीडित तुलसीराम चौधरी और दौलतसिंह चौहान ने अन्य पीड़ितों के साथ मंगलवार को प्रेस कान्फ्रेंस कर अपना दुखड़ा सुनाया। उनका कहना है कि अचरोल गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड ने गांव टीलावाला जगतपुरा सांगानेर एयरपोर्ट रोड़ के पास 1997 में काश्तकार जगदीश पुत्र गोदू निवासी टीलावाला से 4.70 हैक्टेयर जमीन जरिए इकरारनामा से खरीदी थी। इसका प्रतिफल भी दे दिया था। सोसायटी ने इस जमीन पर श्री जगदीश धाम योजना बसाई थी। इसमें बाकायदा उनसे पैसे लेकर पट्टे दिए थे और कब्जा भी सौंपा था। उसके बाद 2005 में काश्तकार जगदीश, घासी, भौंरीलाल, रामपाल पुत्र गोदू ने इस जमीन को मैसर्स प्राइम बिल्डहोम को बेचान कर दिया। इसके निदेशक पुनीत कर्नावट और गोविन्द अग्रवाल है। इन दोनों ने अपनी 16 बीघा जमीन को जेडीए से आवासीय योजना अप्रूव्ड करा कर यहां कालोनी के निवासियों को पट्टे देने शुरू कर दिए और मूल आवंटियों व भूखंडधारियों को बेदखल करना शुरू कर दिया है।

■ भूखण्डधारी न्याय के लिए जगह जगह कर रहे हैं फरियाद

■ आरोपियों के खिलाफ मुकदमा, दो साल में जांच तक नहीं

श्री जगदीश धाम योजना में जब पीडित जब भी अपने भूखण्डों का कब्जा लेने के लिए जाते है तो उनको वहां से भगा दिया जाता है। उन्हें कहा जाता है कि श्री जगदीश धाम योजना के नाम से कोई स्कीम नहीं है। यहाँ तो हमारी स्कीम है। पीडित जब अचरोल गृह निर्माण सहकारी समिति के मालिक देशराज बैरवा एवं गौरी शंकर गुप्ता से मिले तो उन्होंने 7 अप्रेल 2022 को प्रताप नगर थाना में मैसर्स प्राइम बिल्डहोम के निदेशक पुनीत कर्नावट, गोविन्द अग्रवाल और काश्तकारों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवा दिया है। उनको अभी तक भूखण्डों का कब्जा नहीं दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में दो साल से कोई जांच तक नहीं कर रखी है।

श्री जगदीश धाम योजना में मैसर्स प्राइम बिल्डहोम ने रात दिन आवासीय योजना का काम चला रखा है। पीडित लोग मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक , जिला कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर, डीसीपी जयपुर पूर्व और प्रताप नगर थाना तक कई बार शिकायत चुके हैं परन्तु फिर भी कहीं भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पुनीत कर्नावट जयपुर नगर निगम के डिप्टी मेयर है और भाजपा नेता है।

चाकू से जानलेवा हमले करने वाले आरोपी को पकडा

जयपुर। मालवीय नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चाकू से जानलेवा हमले करने वाले एक आरोपित को पकडा है और उसके पास से वारदात के दौरान प्रयुक्त किया गया एक चाकू भी

■ आरोपित के खिलाफ पूर्व में कई हत्या का प्रयास सहित कई संगीन मामले दर्ज है

बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ पूर्व में कई थानों में एक दर्जन से अधिक मारपीट,हत्या,हत्या का प्रयास सहित कई संगीन मामले दर्ज है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 25 मई को पीडित मनोहर सिंह पर चाकू से जानलेवा हमले करने के मामले में फरार आरोपित जयेश शर्मा निवासी सोडाला जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपित आदतन अपराधी है। जो पूर्व में पुलिस थाना में भी कई वारदात कर चुका है। जिसके खिलाफ सोडाला थाने में एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज है।

जल संसाधन मंत्री आज सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत 11 जून, 2025 को दौसा, करौली और धौलपुर की विभिन्न जल परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और भूमि पूजन करेंगे। वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान में तीनों जिलों के किसानों और आमजन को पर्याप्त जल उपब्लधता की सौगातें मिलेंगी।

रावत बुधवार सुबह 10 बजे मोरेल नदी पर ग्राम समेल लालसोट में निर्मित समेल एनिकट को लोकार्पित करेंगे। इसके बाद शाम 4 बजे पांचना बांध का पुर्नवास एवं सुधार कार्य सहित अन्य एनिकट निर्माण कार्यों का भूमि पूजन और शिलान्यास करेंगे। यहीं से धौलपुर की 61 करोड़ रूपए लागत से तैयार 07 एनिकट/सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया जाएगा। यह परियोजनाएं जल संरक्षण की दिशा में स्थायी समाधान और स्थानीय पर्यावरण सुधार में महत्वपूर्ण साबित होंगी।

दौसा के लालसोट में समेल एनिकट के निर्माण में अब तक 19.82 करोड़ रूपए की लागत आई है। इससे समेल, होदायली, गुजरहेरा, मंडलिया, जगसरा, गुमानपुरा सहित आसपास के गांवों व ढाणियों को लाभ होगा। जल संग्रहण से भू-जल रिचार्ज होगा, जिससे पेयजल व सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिल सकेगा। पशुपालन और वन्यजीवों के लिए भी एनिकट उपयोगी सिद्ध होगा। इसमें गेटेड प्रणाली का प्रावधान है।

रावत करौली में 28 करोड़ रूपए से अधिक के 4 कार्यों का भूमि पूजन और शिलान्यास करेंगे। इनमें, पांचना बांध के समग्र जीर्णोद्धार व आधुनिकीकरण कार्य का भूमि पूजन होगा। पांचना बांध के कार्यों में पिंचिंग, ड्रेनेज गेलेरी की रिपेयरिंग, बांध के एप्रोच रोड का निर्माण, डी.जी सेट सप्लाई, बांध के गेटों की मरम्मत, हाई मास्ट लाइट, पत्थर की चिनाई, स्पिलवे निर्माण सहित विभिन्न कार्य होंगे। इसमें 14 करोड़ रूपए से अधिक की लागत आएगी। इन कार्यों से बांध अधिक सुदृढ़ होगा और क्षमता बढ़ेगी।

करौली में तहसील सूरौठ की ग्राम पंचायत वाईजट में नाले पर नवीन एनिकट का निर्माण होगा। इसमें लगभग 6.06 करोड़ रूपए की लागत आएगी। इससे ग्राम वाईजट, धुरसी, ईन्तखेड़ा, विजयपुरा आदि गांवों के भू-जल स्तर में वृद्धि होगी। सपोटरा तहसील की ग्राम पंचायत कालागुड़ा में 1.62 करोड़ रूपए की लागत से तिखूटी एनिकट का निर्माण होगा। तहसील सूरौठ की ग्राम पंचायत जटनगला के पास जग्गर नदी पर एनिकट बनेगा। इसमें 6.31 करोड़ रूपए की लागत आएगी। इससे ग्राम जटनगला, एकोराशी, बहादुरपुर, आलापाड़ा इत्यादि गांवों में भू-जल स्तर बढ़ेगा। पशु-पक्षियों को सुलभ पानी मिलेगा। तीनों ही जगहों पर ऑवर फ्लो एनिकट, अपस्ट्रीम व डाउनस्ट्रीम लेमिना कार्य, डाउनस्ट्रीम एप्रॉन कार्य, प्लम कंक्रीट, विंग वॉल, कट ऑफ वॉल सहित विभिन्न कार्य कराए जाएंगे।

रिहैबिलिटेशन ऑफ उर्मिला सागर मीडियम इरीगेशन प्रोजेक्ट में 8.89 करोड़ रूपए लागत आई है। इससे धौलपुर विधानसभा क्षेत्र के 25 गांवों की 2900 हैक्टेयर भूमि को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। उर्मिलासागर बांध की शेष बची 21.87 कि.मी लम्बाई की नहरी तंत्र को पक्का करने, बांध सुदृढ़कीरण, फिल्टर टो एवं केच ड्रेन का कार्य, 3 डब्ल्यू.यू.ए भवन निर्माण और महिलाओं के लिए स्नानघाट और पशुओं के लिए कैटल रैम्प के कार्य कराए गए हैं।

लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़

जयपुर। मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जयपुर की सडकों पर " निर्जला एकादशी पर्व पर शराब वितरण" कर आमजन की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का प्रयास और आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर लप्पू सचिन सहित सात आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है और साथ ही शराब वितरण में प्रयुक्त वाहन स्कॉर्पियो भी जब्त की गई है।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) जयपुर दिगंत आनंद ने बताया कि जयपुर शहर में इंस्टाग्राम / यूट्यूब / फैसबुक अकाउंट में एक विडियों जयपुर की सडकों पर शराब वितरण करते हुए कुछ नवयुवक दिखाई दे रहे है। यी विडियो निर्जला एकादशी पर्व के दौरान का बताया जा रहा था।" चुकी यह विडियो आमजन की धार्मिक भावनाओं (निर्जला एकादशी पर्व पर आमजन द्वारा जल - शरबत वितरण किया जाता है) को ठेस पहुंचाने के लिए असामाजिक तत्वों द्वारा किया गया कृत्य प्रतीत हो रहा था। जिस पर एक पुलिस टीम का ठगन किया गया और इस विडियो के आधार से असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्रभावी करते हुए वीडियो को बनाने तथा वायरल करने वाले मुख्य आरोपी सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर लप्पू सचिन सिंह आदि को गिरफ्तार किया गया है।

प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा आधारित दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

जयपुर । महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी के मुख्य आतिथ्य में एवं आईसीडीएस निदेशक ओपी बुनकर की उपस्थिति में मंगलवार को इंदिरा गाँधी पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास संस्थान में महिला एवं बाल विकास विभाग (निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं) की ओर से प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ई. सी. सी. ई.) आधारित दो दिवसीय जिला स्तरीय समूह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

■ ग्रोथ मॉनिटरिंग के लिए बहुत जरुरी है सही डेटा एंट्री :- शासन सचिव महिला एवं बाल विकास

दो दिवसीय जिला स्तरीय समूह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में कहा कि विभाग के सुदृढ़ीकरण के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का काम किया जाना चाहिए।

आईसीडीएस सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बेसलाइन डेटा की सही होना अत्यंत आवश्यक है। इसके आधार पर ही बेहतर योजनाओं का निर्माण होता है तथा ग्राउंड पर वास्तविक रूप में समस्याओं का समाधान भी संभव हो पाता है।

उन्होंने कहा कि जब तक डेटा एंट्री उचित रूप से वास्तविक आधार पर नहीं की गई हो तब तक ग्रोथ मॉनिटरिंग सही रूप में नहीं हो सकेगी। उन्होंने कहा कि सही डेटा एंट्री नितांत रूप से आवश्यक है।

विभाग में किसी भी योजना में 10 दिन से ज्यादा पुराना कोई भी प्रकरण लंबित न रहें, इस प्रतिबद्धता से कार्य किया जाए।

उन्होंने कहा कि हमारे मानदेय कर्मियों के मानदेय का भुगतान नियमित रूप से हो यह अधिकारी यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्मिक को सेवा के प्रति अपडेट करते हैं।

इस अवसर पर निदेशक ओ पी बुनकर ने कहा कि कोई भी प्रशिक्षण यदि दो तरफा होता है तो ही वह उपयोगी होता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर के अधिकारियों को मॉनिटरिंग में सुधार करना चाहिए।

पोषण ट्रेकर पोर्टल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चें आंगनबाडी आने को उत्सुक हो और पूरी संख्या में आंगनबाडी आये तब जाकर इस प्रकार के प्रशिक्षण अपने उद्देश्य की प्राप्ति में सफल होंगे।

'निरन्तर सक्रियता से कार्य कर अपेक्षित परिणाम हासिल करें'

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि अधिकारी तत्परता से कार्य करते हुए 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत राज्य में क्रियान्वित की जा रही पहलों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि क्रियान्विति में पिछड रहे जिलों पर विशेष रूप से फोकस करते हुए उनसे प्रगति की नियमित रिपोर्ट ली जाए। साथ ही, आवश्यक होने पर इन जिलों के लिए प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति भी की जाए।

■ वास्तविक और एनसीडी पोर्टल पर उपलब्ध डेटा का अंतर किया जाए दूर : प्रमुख शासन सचिव

राजपाल ने नेहरू सहकार भवन में क्रियान्वित की जा रही पहलों की प्रगति की समीक्षा की।

राजपाल मंगलवार को नेहरू सहकार भवन में 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही पहलों की प्रगति की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि अधिकारी निरन्तर सक्रियता दिखाते हुए अपेक्षित परिणाम हासिल करें। उन्होंने पैक्स कम्प्यूटराइजेशन के कार्य में गति लाने तथा गो-लाइव हो चुकी पैक्स को हैण्ड-होल्डिंग सर्टिफिकेट यथाशीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। राजपाल ने कहा कि वास्तविक डेटा एवं एनसीडी पोर्टल पर उपलब्ध डेटा में अंतर को दूर करने के लिए नई गठित पैक्स का अविलम्ब रजिस्ट्रेशन करते हुए उन्हें फंक्शनल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि गो-लाइव हो चुकी सभी पैक्स की ई-ऑडिट करवाई जाए। बैठक में अधिकारियों द्वारा बताया गया कि अब तक 5,154 पैक्स गो-लाइव हो चुकी है तथा 603 पैक्स की ऑनलाइन ऑडिट सम्पन्न हो चुकी है।

प्रमुख शासन सचिव ने नवीन डेयरी को-ऑपरेटिव सोसायटी के गठन की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इस संबंध में संभाव्यता का आकलन कर आवश्यक होने पर लक्ष्यों में संशोधन करने हेतु भारत सरकार से अनुरोध किया जा सकता है। उन्होंने निष्क्रिय समितियों के अवसायन के कार्य में भी गति लाने के निर्देश दिए। भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप निष्क्रिय समितियों के अवसायन की प्रक्रिया शीघ्र सम्पन्न की जानी है।

राजपाल ने विश्व की सबसे बड़ी अन्न भण्डारण योजना के अंतर्गत बन रहे गोदामों के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए बारिश के मौसम से पूर्व यह कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया।